प्रसार भारती

आकाशवाणी केन्द्र शिमला

13.11.2025 / प्रादेशिक समाचार / 11:00बजे

प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 25 हजार करोड़ रुपये से अधिक के परिव्यय के साथ निर्यात संवर्धन मिशन को मंजूरी दे दी है। इस प्रमुख पहल की घोषणा इस वर्ष के बजट में भारत के निर्यात को विशेष रूप से एम.एस.एम.ई के पहली बार के निर्यातकों और श्रम क्षेत्रों को मजबूत करने के लिए की गई थी। नई दिल्ली में बैठक के बाद सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह मिशन वित्त वर्ष 2025–26 से 2030–31 तक निर्यात प्रोत्साहन के लिए एक व्यापक, लचीला और डिजिटल रूप से संचालित खाका उपलब्ध कराएगा। उन्होंने कहा कि ईपीएम कई योजनाओं से परिणाम–आधारित और अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र में एक रणनीतिक बदलाव का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कल शिमला में प्रदेश सरकार के कार्यकाल के तीन वर्ष पूर्ण होने पर राज्य स्तरीय समारोह की तैयारियों की समीक्षा की। यह समारोह 11 दिसंबर को मंडी जिले में आयोजित होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित समय में सभी व्यवस्थाएं पूर्ण की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि समारोह में सरकार की तीन वर्ष की उपलब्धियों और दो वर्ष के रोडमैप को जनता के समक्ष रखा जाएगा। उन्होंने सभी विभागों को विकासात्मक गतिविधियों में तेजी लाने और सरकार की प्राथमिकताओं को जमीन स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए दो वर्षीय रोडमैप तैयार करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले समय में सरकार जनता के द्वार तक अधिक सेवाएं देने, डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने और सभी विभागों में सुशासन को और मजबूत करने पर जोर देगी।

टीबी–भारत

भारत में पिछले एक दशक में तपेदिक के कुल मामलों में 21 प्रतिशत की कमी आई है जो वैश्विक औसत 12 प्रतिशत से लगभग दोगुना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की वैश्विक टीबी रिपोर्ट 2025 के अनुसार देशमें टीबी रोगियों की संख्या 2015 में प्रति लाख जनसंख्या पर 237 से घटकर 2024 में प्रति लाख 187 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि भारत के बेहतर केस–फाइंडिंग दृष्टिकोण ने निदान और उपचार कवरेज में वृद्धि की है। मंत्रालय के अनुसार बहु–औषधि प्रतिरोधी टीबी के मामलों में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई है। तपेदिक के कारण होने वाली मृत्यु दर भी 2015 में प्रति लाख जनसंख्या पर 28 से घटकर पिछले वर्ष प्रति लाख 21 हो गई है।

सरकार देश से टीबी को खत्म करने के लिए टीबी मुक्त भारत अभियान, आयुष्मान आरोग्य मंदिर और निक्षय पोषण योजना सहित कई पहलों को लागू कर रही है।

हाईकोर्ट

प्रदेश उच्च न्यायालय ने राज्य के तीनों हवाई अड्डों शिमला, कुल्लू और कांगड़ा से नियमित उड़ानें न होने पर संज्ञान लेते हुए राज्य और केन्द्र सरकार से जवाब तलब किया है। मुख्य न्यायाधीश गुरमीत सिंह संधावालिया और न्यायाधीश जिया लाल भारद्वाज की खंडपीठ में जनहित याचिका की सुनवाई के बाद केंद्र सरकार को नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव के माध्यम से प्रतिवादी बनाते हुए उनसे विवरण देने को कहा है। इसके अलावा राज्य सरकार को आदेश दिया है कि वह इस मामले में एक स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करे, जिसमें यह बताया जाए कि नियमित उड़ानें सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों से क्या आग्रह किया है। उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को नियमित रूप से उड़ानें संचालित करने का भी आदेश दिया है।

वाटरशेड महोत्सव

ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा देश में 11 नवंबर से 16 दिसंबर तक वाटरशेड महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। ग्रामीण विकास विभाग के एक प्रवक्ता ने शिमला में बताया कि इस दौरान भूमि पूजन, लोकार्पण और वाटरशेड पुनरुत्थान मिशन का शुभारंभ जैसी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी ब्लॉकों में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत वाटरशेड विकास घटक के तहत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

नगर निगम शिमला

नगर निगम शिमला के महापौर सुरेंद्र चौहान ने कल "एम्पावरमेंट ऑफ वूमेन" योजना के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी महिलाओं को क्रोशिया कार्य हेतु 20 मशीनें वितरित कीं। वस्त्र मंत्रालय और हिमाचल हैंडीक्राफ्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में महापौर सुरेंद्र चौहान ने कहा कि महिलाओं के उत्थान और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए नगर निगम निरंतर प्रयासरत है। महापौर ने कहा कि महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पाद बेहद आकर्षक और गुणवत्ता से भरपूर हैं। प्रशिक्षण में शामिल महिला ने कहा कि यह उनके लिए एक अच्छी पहल है। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण से न केवल उनके छिपे हुए हुनर को निखारने का मौका मिला, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ा है।

मौसम

प्रदेश में इन दिनों मौसम खुश्क बना हुआ है जिसके चलते शाम के तापमान में गिरावट लगातार दर्ज की जा रही है। जनजातीय जिलों सहित राज्य की ऊंची चोटियों पर शीतलहर चलने से राज्य के अधिकांश क्षेत्रों में ठंड बढ़ गई है।

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार प्रदेश में तापमान आमतौर पर सामान्य चल रहा है जबकि रात्रि के तापमान में कई स्थानों पर दो से तीन डिग्री सैल्सियस गिरावट दर्ज की जा रही है।